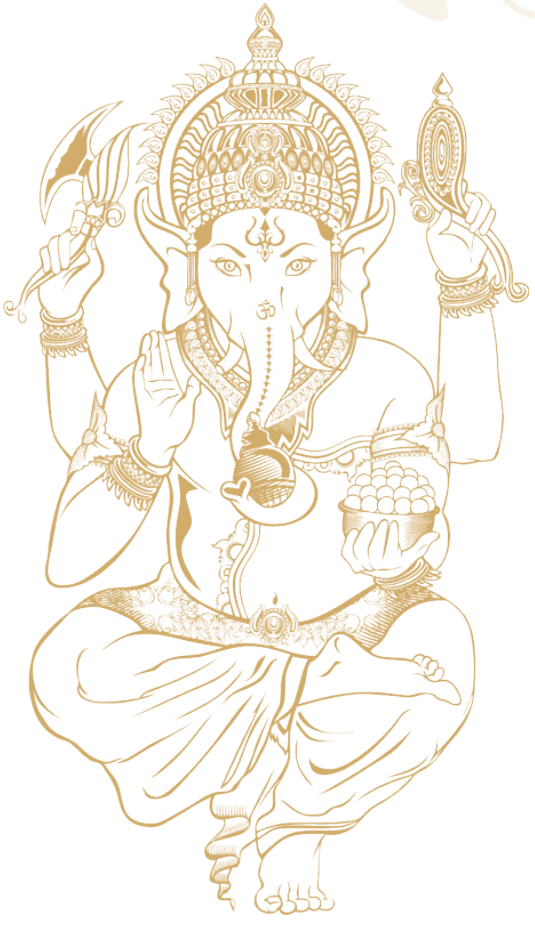

Achal Mishra

19 Oct 2004

08:02 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121748705

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/10/2004**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:02:00 घंटे**
इष्ट	05:14:57 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	26:49:00 उत्तर
रेखांश	83:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:07:56 घंटे
वेलान्तर	00:15:05 घंटे
साम्पातिक काल	09:59:35 घंटे
सूर्योदय	05:56:01 घंटे
सूर्यास्त	17:21:46 घंटे
दिनमान	11:25:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:07:47 तुला
लग्न के अंश	28:40:57 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	28:40:57	310:00:51	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	02:07:47	00:59:37	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	नीच राशि
चंद्र			धनु	08:07:23	14:20:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	20:50:39	00:39:16	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	11:08:06	01:35:20	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			कन्या	11:11:49	00:12:32	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	24:10:33	01:11:29	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			कर्क	03:02:36	00:02:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु			मेष	08:13:51	00:00:44	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			तुला	08:13:51	00:00:44	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:10:54	00:01:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	18:41:36	00:00:11	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:15:52	00:01:30	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	03:47:07	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:17

लग्न-चलित

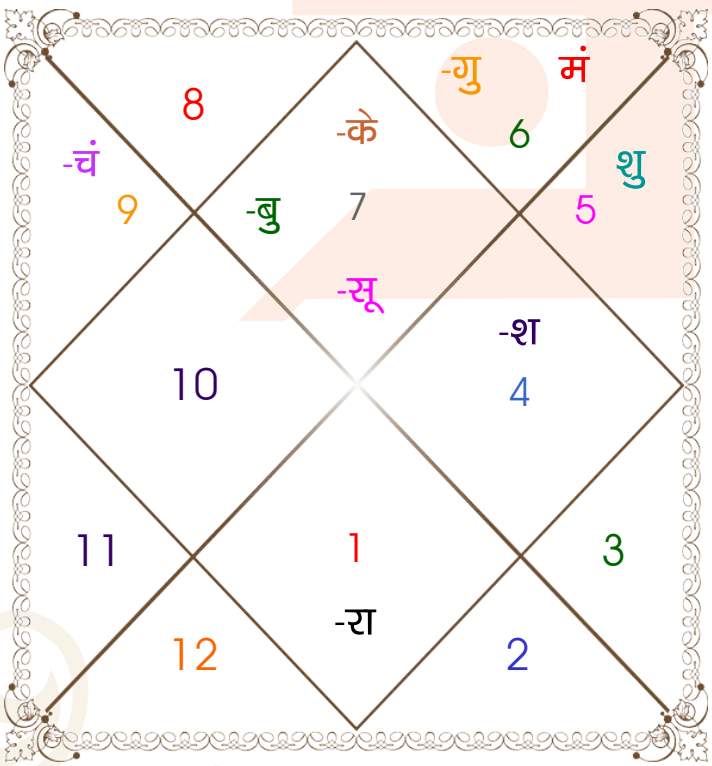

चन्द्र कुंडली

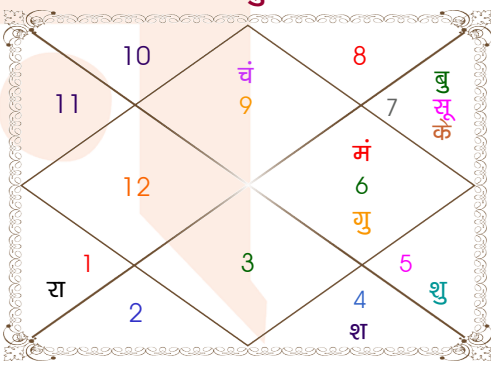

नवमांश कुंडली

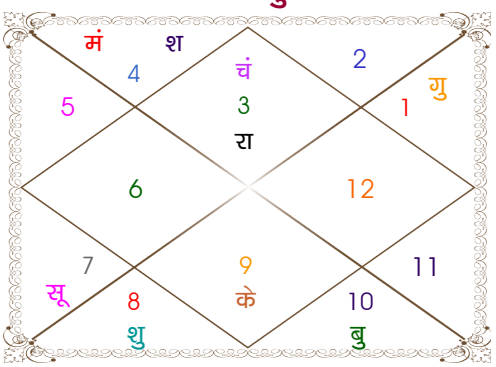

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 8 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/10/2004		15/07/2007		15/07/2027		14/07/2033		15/07/2043	
15/07/2007		15/07/2027		14/07/2033		15/07/2043		15/07/2050	
	00/00/0000	शुक्र	13/11/2010	सूर्य	01/11/2027	चंद्र	15/05/2034	मंगल	11/12/2043
	00/00/0000	सूर्य	14/11/2011	चंद्र	02/05/2028	मंगल	14/12/2034	राहु	29/12/2044
	00/00/0000	चंद्र	14/07/2013	मंगल	07/09/2028	राहु	14/06/2036	गुरु	04/12/2045
	00/00/0000	मंगल	14/09/2014	राहु	02/08/2029	गुरु	14/10/2037	शनि	13/01/2047
	00/00/0000	राहु	13/09/2017	गुरु	21/05/2030	शनि	15/05/2039	बुध	10/01/2048
	19/10/2004	गुरु	14/05/2020	शनि	03/05/2031	बुध	13/10/2040	केतु	08/06/2048
गुरु	08/06/2005	शनि	15/07/2023	बुध	08/03/2032	केतु	15/05/2041	शुक्र	08/08/2049
शनि	18/07/2006	बुध	15/05/2026	केतु	14/07/2032	शुक्र	13/01/2043	सूर्य	14/12/2049
बुध	15/07/2007	केतु	15/07/2027	शुक्र	14/07/2033	सूर्य	15/07/2043	चंद्र	15/07/2050

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/07/2050		14/07/2068		14/07/2084		16/07/2103		15/07/2120	
14/07/2068		14/07/2084		16/07/2103		15/07/2120		00/00/0000	
राहु	27/03/2053	गुरु	01/09/2070	शनि	18/07/2087	बुध	12/12/2105	केतु	11/12/2120
गुरु	20/08/2055	शनि	15/03/2073	बुध	27/03/2090	केतु	09/12/2106	शुक्र	10/02/2122
शनि	26/06/2058	बुध	21/06/2075	केतु	06/05/2091	शुक्र	09/10/2109	सूर्य	18/06/2122
बुध	13/01/2061	केतु	26/05/2076	शुक्र	06/07/2094	सूर्य	15/08/2110	चंद्र	17/01/2123
केतु	31/01/2062	शुक्र	25/01/2079	सूर्य	18/06/2095	चंद्र	15/01/2112	मंगल	15/06/2123
शुक्र	31/01/2065	सूर्य	14/11/2079	चंद्र	16/01/2097	मंगल	11/01/2113	राहु	03/07/2124
सूर्य	26/12/2065	चंद्र	15/03/2081	मंगल	25/02/2098	राहु	31/07/2115	गुरु	20/10/2124
चंद्र	27/06/2067	मंगल	19/02/2082	राहु	02/01/2101	गुरु	05/11/2117		00/00/0000
मंगल	14/07/2068	राहु	14/07/2084	गुरु	16/07/2103	शनि	15/07/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली है। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगी।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखती हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझती हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानती है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाती हैं। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाती बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करती हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेती हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेती हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगी। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगी।

आप अपना परिवार जीवन सुखपूर्ण व्यतीत करेंगी। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगी। आप निःसंदेह पूर्वक अपने समझदार पति एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगी। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकती है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगी। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती है। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगी का चुनाव कर सकती हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगी।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकती हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।